SANDESH
HPPCL E-Newsletter
January-March,2022
Vol. II/2022 |Issue XXVIII

हिमाचल प्रदेश और हरियाणा सरकार ने आदिबद्री बांध के निर्माण के लिए समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया- एचपीपीसीएल रहेगी कार्यकारी संस्था।

हिमाचल प्रदेश सरकार और हरियाणा सरकार के मध्य 21 जनवरी, 2022 को पंचकुला में हरियाणा के यमुना नगर जिले के आदिबद्री क्षेत्र के समीप हिमाचल प्रदेश में 77 एकड़ में आदिबद्री बांध के निर्माण के लिए एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया। इस परियोजना के माध्यम से 215.35 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से सरस्वती नदी का पुनरुद्धार होगा। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की उपस्थिति में दोनों राज्यों के मुख्य सचिवों ने राज्य सरकारों की ओर से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

इस ऐतिहासिक अवसर पर संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने कहा कि इस समझौता ज्ञापन से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना पूरा होगा। उन्होंने 3 अप्रैल, 2014 को कुरूक्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए सरस्वती नदी का पुनरूत्थान करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई थी।

जय राम ठाकुर ने कहा कि यह परियोजना हिमाचल प्रदेश के लिए अत्यंत लाभदायक सिद्ध होगी क्योंकि इससे हिमाचल प्रदेश की 3.92 हेक्टेयर मीटर प्रतिवर्ष पेयजल की आवश्यकता की पूर्ति होगी और प्रभावित बस्तियों के लिए सिंचाई के पानी की उपलब्धता के लिए 57.96 हेक्टेयर मीटर पानी निर्धारित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बांध का उपयोग न केवल सरस्वती नदी के पुनरुद्धार के लिए किया जाएगा बल्कि इससे क्षेत्र में जल संरक्षण को भी सहायता मिलेगी।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना के लिए पूरी धनराशि की व्यवस्था हरियाणा सरकार द्वारा की जाएगी। उन्होंने कहा कि दोनों राज्य सरकारें परियोजना के प्राथमिक उद्देश्य से समझौता किए बिना स्वयं

आदिबद्री बांध के निर्माण के लिए समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित

के संसाधनों का उपयोग करके स्थानीय लोगों के कल्याण और विकास के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाएं विकसित करने के साथ पयर्टन परियोजनाएं बनाने के लिए भी स्वतंत्र होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना से

प्रदेश के केवल 21 परिवार विस्थापित होंगे जिनका समुचित पुनर्वास किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि विस्थापितों को पुनर्वास पैकेज और जलवायु संरक्षण पैकेज के साथ भविष्य में आदि बद्री बांध से संबंधित लागत/व्यय हिमाचल प्रदेश की प्रचलित नीतियों व अन्य प्रचलित कानूनों के अनुसार हरियाणा सरकार द्वारा वहन किया जाएगा तथा इससे संबंधित कोई भी देनदारी हिमाचल प्रदेश को हस्तांतरित नहीं की जाएगी।

जय राम ठाकुर ने कहा कि इस परियोजना के पूरा होने पर सरस्वती नदी फिर से पुनर्जीवित हो जाएगी। उन्होंने कहा कि कुल प्रस्तावित क्षेत्र में से 31.16 हेक्टेयर भूमि हिमाचल प्रदेश की है जिसमें से 0.67 हेक्टेयर निजी भूमि और 30.49 हेक्टेयर वन भूमि शामिल है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश की सोंब नदी से बांध को 224 हेक्टेयर मीटर जल की आपूर्ति होगी जो यमुना नगर जिले में आदिबद्री के समीप यमुना में मिलती है। उन्होंने कहा कि आदिबद्री बांध और इससे संबंधित अधोसंरचना के लिए एचपीपीसीएल कार्यकारी संस्था होगी।

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि गंगा और यमुना के साथ सरस्वती देश की सबसे पवित्र नदी है। उन्होंने कहा कि इस बांध के बनने से सरस्वती नदी में पूरे साल बीस क्यूसेक जल का प्रवाह होगा। उन्होंने कहा कि घग्गर नदी बहने के रास्ते को सरस्वती नदी का मार्ग कहा जाता है।

यह परियोजना हरियाणा और हिमाचल प्रदेश की सरकारों के संयुक्त प्रयासों से क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के पूर्ण होने से न केवल पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि इससे भू-जल में भी वृद्धि होगी।

आदिबद्री बांध से संबंधित कार्यों की योजना, पर्यवेक्षण और निगरानी के लिए आदिबद्री बांध निर्माण निगरानी समिति का गठन किया गया है। इस समिति में हरियाणा के अतिरिक्त मुख्य सचिव सिंचाई, हिमाचल प्रदेश के जल शक्ति विभाग के सचिव, दोनों राज्यों के इंजीनियर-इन-चीफ और अन्य प्रतिनिधि शामिल हैं।

इस अवसर पर हरियाणा सरकार के शिक्षा, भाषा एवं संस्कृति मंत्री कंवर पाल गुज्जर ने मुख्यमंत्रियों का स्वागत किया।

हरियाणा के जल शक्ति विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग रस्तौगी ने दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया।

हरियाणा के जल शक्ति विभाग के अधीक्षक अभियंता अरविंद कौशिक ने प्रस्तावित आदिबद्री परियोजना की मुख्य विशेषताओं के बारे में एक विस्तृत प्रस्तुति दी।

हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता, सांसद अम्बाला रत्न लाल कटारिया, हिमाचल प्रदेश के मुख्य सचिव राम सुभग सिंह, हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल, केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष आर.के. सिन्हा, हिमाचल प्रदेश जल शक्ति विभाग के विशेष सचिव डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा और हिमाचल प्रदेश तथा हरियाणा के अन्य वरिष्ठ अधिकारी इस अवसर पर उपस्थित थे।

विश्व बैंक के प्रतिनिधिमंडल ने 15 और 16 मार्च, 2022 को प्रदेश का दौरा किया।

विश्व बैंक के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय उपाध्यक्ष हार्तविग शाफर के नेतृत्व में प्रदेश के दौरे पर आए एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने 15 और 16 मार्च, 2022 को मुख्य सचिव राम सुभग सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की।

मुख्य सचिव राम सुभग ने बताया कि बैठक में प्रतिनिधिमंडल द्वारा जलवायु अनुकूल हरित विकास के एजेंडे पर चर्चा की गई। राज्य ने इस बात पर जोर दिया कि हाल ही में ग्लासगो शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा निर्धारित नए स्वच्छ विकास एजेंडे के दृष्टिगत जीवाश्म ईंधन स्रोतों से गैर-प्रदूषणकारी नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में परिवर्तन में देश की सहायता करने के लिए प्रदेश की एक विशेष भूमिका है। हाइड्रो सेक्टर अपने डिजाइन के कारण ग्रिड स्थिरता के लिए अनिवार्य रूप से आवश्यक है, जो ग्रिड में रुक-रुक कर और परिवर्तनशील सौर और पवन ऊर्जा के बढ़ते अन्तःक्षेप के कारण चिंता का एक नया क्षेत्र बन गया है। राज्य की ओर से प्रदेश के पंप भंडारण, सौर और जल विद्युत क्षेत्रों में निवेश और ज्ञान सहायता के लिए विश्व बैंक से आग्रह किया गया।

हिमाचल ने विभिन्न क्षेत्रों में निवेश, तकनीकी और ज्ञान सहायता के लिए विश्व बैंक से अनुरोध किया । बैठक में जलवायु अनुकूल कृषि, एकीकृत वाटरशैड विकास दृष्टिकोण के माध्यम से आजीविका सुरक्षा, राज्य पर्यावरण कार्ययोजना और स्वच्छ गतिशीलता जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की गई। राज्य ने इन सभी क्षेत्रों में निवेश, तकनीक और ज्ञान सहायता का आग्रह किया। समग्र प्रदूषण मैट्रिक्स में परिवहन क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी को देखते

माननीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर जी विश्व बैंक दक्षिण एशिया क्षेत्रीय उपाध्यक्ष हार्तविग शाफर के नेतृत्व में उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ।

हुए दो स्मार्ट शहरों शिमला और धर्मशाला में रोपवे आदि के माध्यम से ट्रैफिक डी-कंजेशन के लिए निवेश समर्थन भी मांगा गया।

अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त प्रबोध सक्सेना, प्रधान सचिव परिवहन आर.डी. नज़ीम, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव सुभासीष पन्डा, सचिव कृषि राकेश कंवर और योजना सलाहकार बासु सूद ने विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी।

इससे पूर्व, प्रधान सचिव शहरी विकास, श्री देवेश कुमार ने विश्व बैंक के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं प्रतिनिधिमंडल के अन्य सदस्यों का स्वागत किया और बैठक की कार्यवाही का संचालन किया।

इस दौरे का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में क्रियान्वित किए जा रहे कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करना और भविष्य के अनुबंधों की संभावनाएं तलाशना रहा।

विश्व बैंक के पास हिमाचल में निवेश का पर्याप्त पोर्टफोलियो है और आज विभिन्न परियोजनाओं के रूप में राज्य को कुल 3,160 करोड़ रुपये प्राप्त हो रहे हैं। यह परियोजनाएं सड़क, जल आपूर्ति, बागवानी, वन और वित्तीय प्रबंधन क्षेत्रों से सम्बन्धित हैं। विश्व बैंक के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष ने 15 मार्च को शिमला जल प्रबंधन निगम लिमिटेड (एसजेपीएनएल) के कार्यालय का भी दौरा किया और विश्व बैंक द्वारा वित्त पोषित शिमला जल आपूर्ति परियोजना को कार्यान्वित करने के लिए स्थापित स्पेशल पर्पज व्हीकल (एसपीवी) के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने शिमला के उपनगर रामगढ़ का भी दौरा किया और परियोजना के लाभार्थियों के साथ बातचीत की।

HPPCL Power Projects earn record revenue of Rs.360.78 Crore in FY 2021-22

The four under operation HPPCL Power Projects generated 959.87 million units of electricity in the financial year 2021-22 earning revenue of Rs. 360.78 Crores to the organization.

HPPCL has four power projects under operation; three hydro and one solar power plant. 100 MW Sainj Hydro Electric Project generated 418.84 million units of electricity earning revenue of Rs.150.24 Crores in the past financial year. The project has generated 1734.49 million units of electricity since its commissioning in 2017. 65 MW Kashang Hydroelectric Project generated 210.61 million units of electricity earning revenue of Rs.74.61 Crores during the year. 111 MW Sawra Kuddu Hydroelectric Project commissioned on 21st January, 2021 also added revenue to HPPCL this year. The Project generated 322.45 million units of electricity earning revenue of 132.47 Crores to the State. The first operational Solar Power Project of Himachal Pradesh 5 MW Bera Dol Solar Power Plant generated 7.98 million units of electricity during the year earning revenue of Rs.3.46 Crores to the State exchequer.

Outfall of Kashang HEP

ART WORKS BY CHILDREN OF HPPCL EMPLOYEES

Anahita Gupta, D/o Ms. Anita Gupta, Corporate Office

Rishav Shandilya, S/o Ms. Bhawna, Sharma, Corporate Office

Shivansh Thakur, S/o Ms. Sanwli Katoch, Corporate Office

Venu Sharma, S/o Sh. Ved Prakash Sharma, Corporate Office

Dhruv Lotheta, S/o Sh. Rahul Lotheta, Corporate Office

SANDESH

January-March, 2022

FOR FEEDBACK AND SUBSCRIPTION, WRITE TO US AT:

Sh. Rahul Lotheta, Manager (PR),
Editor, e-Newsletter,
Himachal Pradesh Power Corporation Ltd., Corporate Office, Himfed Building, BCS, New Shimla, Shimla-171009 (H.P.).
Email: enewsletter@hppcl.in
prohppcl@gmail.com

EDITORIAL BOARD
Ms. Priyanka Verma, Patron
Sh. Ved Prakash Sharma, Advisor
Sh. Rahul Lotheta, Editor

PUBLISHED BY:
Himachal Pradesh Power Corporation Ltd., Corporate Office, Himfed Building, BCS, New Shimla, Shimla-171009
Email: enewsletter@hppcl.in